शहरी टिकाऊपन या स्वावलंबन[१२]

बाएं एवं मध्य : *पुणे, महाराष्ट्र में* ***स्वच्छ*** *की महिलाएं अपने दैनिक अभियान पर। वे जैविक और अजैविक कचरे की छंटाई के लिए अलग-अलग रंगों की बाल्टियों का इस्तेमाल करती हैं।*

दाएं : *पुणे में स्वच्छ का एक कचरा संग्रह केंद्र; इसकी दीवार पर जो चित्र बना है उसमें गीले और सूखे कचरे की छंटाई के बारे में अपील की गई है।*

स्वच्छ पुणे में स्वरोजगारी कचरा बीनने वालों, कचरा इकट्ठा करने वालों और अन्य व्यवसायों में लगे शहरी गरीबों का एक कोऑपरेटिव है। ये लोग घरों और दफ्तरों में पैदा होने वाले कचरे को एकत्र करके उसके निस्तारण और रीसाइक्लिंग तक शहरी कचरा चक्र से जुड़े हुए हैं। इन मेहनतकशों के अथक अभियान से न केवल बेहतर कचरा प्रबंधन की व्यवस्था अस्तित्व में आई है बल्कि कचरा बीनने वालों के मुद्दों पर नई जागरूकता भी पैदा हुई है और एक ज्यादा सम्मानजनक जीवन के लिए उनका सशक्तिकरण हुआ है।

मगर ये लोग सिर्फ यहीं तक जा सकते हैं। कचरे के मुद्दे पर शहरों में आज एक इससे भी बड़े आंदोलन की जरूरत है ताकि सबसे पहले कचरे का उत्पादन कम किया जाए, पैकेजिंग को रोका जाए या उसके नए तरीके ढूंढे जाएं और अंततः बेतहाशा उपभोग पर आश्रित अर्थव्यवस्था के रूपांतरण का रास्ता ढूंढा जाए।

बाएं: *अब्दासा, कच्छ में पानी को रोकने के लिए बनाए गए छोटे-छोटे चैक डेम।*

दूर बाएं: *अब्दासा, कच्छ स्थित बेरा-हाड़ाफर में पुनर्जीवित किया गया एक कुआं।*

कच्छ के कई दर्जन गांवों ने यह साबित कर दिया है कि देश के सबसे कम वर्षा वाले इलाके में भी वर्षा जल के सावधानीपूर्वक संचय, प्रबंधन और इस्तेमाल से सारी स्थानीय जरूरतें पूरी की जा सकती हैं। यहां परंपरागत और आधुनिक हाइड्रोलॉजिकल ज्ञान को मिलाकर या तो पुरानी प्रणालियों को पुनर्जीवित किया गया है या नई प्रणालियां विकसित की गई हैं।

इस तरह की जल सुरक्षा एवं आत्मनिर्भरता भुज शहर की कई गरीब बस्तियों में भी हासिल की जा चुकी है। इसके लिए परंपरागत जल संचय संरचनाओं को बहाल किया गया है और पानी के समतापरक और टिकाऊ इस्तेमाल के लिए जल प्रबंधन समितियों का गठन किया गया है।

इन दोनों ही उदाहरणों में सहजीवन, एरिड कम्युनिटीज़ ऐण्ड टेक्नोलॉजीज़ (एसीटी), कच्छ महिला विकास संगठन (केएमवीएस) तथा कच्छ नवनिर्माण अभियान से संबद्ध अर्बन सेतु जैसे स्वैच्छिक संगठनों से समुदायों को भरपूर मदद मिली है।

दाएं: *भुज में कुओं और झीलों को रीचार्ज करने का तरीका।*

मध्य एवं दूर दाएं: *भुज की झुग्गी बस्तियों में सामुदायिक जल व्यवस्था।*